श्री अर्जुन सिंह भदोरिया]

उस से आम आदमी की जिन्दगी पर आय संकट एक बड़ा भयंकर रोग है। क्या हमारे देश के प्रधान मंत्री जी ने, जिन के हाथ में आजकल गृह विभाग भी है, पता लगाने की कोशिश की है कि इस रोग का क्या कारण है? जब तक इस रोग का कारण नहीं ढूंढा जाएगा तब तक साम्प्रदायिक तनाव कम नहीं होगा और ला एण्ड आर्डर की गिरती हुई स्थिति भी ठीक नहीं होगी।

हमारा सुझाव प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के लिए है कि जब तक उत्तर प्रदेश के अन्दर से वहां के आई० जी० को नहीं हटाया जाता तब तक यह स्थिति सुधरने वाली नहीं है। जब तक उत्तर प्रदेश का शासन ऐसे अक्षम लोगों के हाथों में रहेगा जिनमें प्रशासनिक क्षमता नहीं है तब तक लगातार दिन प्रति दिन स्थिति बिगड़ती ही रहेगी। जो अभी कहा गया कि पहलवान की लाश छीन कर ले गये तो मैं पूछना चाहता हूं कि इस के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इस के लिए वहां की पुलिस जिम्मेदार नहीं है? क्या इस के लिए वहां का पुलिस मंत्री जिस के हाथ में वहां की प्रशासनिक व्यवस्था है, जिम्मेदार नहीं है? इन सारी की सारी घटनाओं के लिए—चाहे वे अलीगढ़ में हुई हों, संभलपुर में हुई हों या कानपुर और लखनऊ में शिया-सुन्नी का झगड़ा हुआ हो, क्या उत्तर प्रदेश की सरकार जिम्मेदार नहीं है?

जब तक उत्तर प्रदेश के अक्षम लोगों को हटाया नहीं जाएगा तब तक मैं प्रधान मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि ये दंगे होते रहेंगे। इसलिए ऐसे निकम्मे लोगों को आप हटाइये और योग्य लोगों को उनके स्थान पर बिठाइये। तभी इन दंगों को रोकना मुमकिन हो सकता ह। इन दंगों में 31 कोरी और हरिजन लोगों के भी जो वहां पर गरीब थे, घर जला दिए गए हैं।

SHRI MORARJI DESAI: The hon. Member has made a suggestion about the I.G., Police there......

SHRI RAJ NARAIN: And the Chief Minister too.

SHRI MORARJI DESAI: The same reply I have to give. Unless the judicial inquiry fixes the blame on some persons, I cannot say anything. In the meanwhile, I suggested to the Chief Minister to see that any officers who ar not capable of dealing with the situation should not be allowed to deal with it.

MR. SPEAKER: Shri Faquir Ali Ansari—not here.

RESIGNATION BY MEMBER

MR. SPEAKER: I have to inform the House that a letter was received in Lok Sabha Secretariat on 16 November, 1978 from Shri S. D. Somasundaram, an elected Member from Thanjavur constituency of Tamil Nadu, resigning his seat in Lok Sabha. I accepted his resignation with effect from 16 November, 1978.

12.52 hrs.

ANNOUNCEMENT *RE*: PROCEDURE FOR DEALING WITH CALLING ATTENTION NOTICES

MR. SPEAKER: Members will recall that on the 6th December, 1977 I had made an announcement regarding the procedure to be followed for dealing with Calling Attention notices. In accordance with that procedure, Calling Attention notices received upto 10.00 hours on a day, in case not selected by me on that day, lapse under provisions of rule 197(5). Any Member whose notice had not been selected had, however, the right to revive his notice for a subsequent day by giving a fresh notice and such notice was considered by the Speaker along with other notices received for that day.